05

सन्तुलन या असन्तुलन

हम अपने रोज़मर्रा के कार्यों में सन्तुलन का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। रस्साकशी का खेल तो आपको याद होगा ही। विज्ञान के नज़रिए से जब तक दोनों टीमें एक समतल पर एक-दूसरे के विपरीत समान बल आरोपित कर एक-दूसरे के बलों को काटती रहेंगी, सन्तुलन की स्थिति में यथावत बनी रहेंगी।

अब अगर इस खेल में तीसरी टीम भी उतर आए तो स्थिति क्या होगी? क्या एक बिन्दु और तल पर लगने वाले एक समान मान के तीन बल एक-दूसरे के असर को काट पाएँगे? तीन टीमों का रस्साकशी में ठहरना आसान नहीं होगा। वास्तव में एक ही तल पर तीन बलों का आपस में सन्तुलित या असन्तुलित होना इस बात पर निर्भर करता है कि तीनों बलों की पारस्परिक स्थिति कैसी है। आइए पढ़ते हैं इस रोचक स्थिति के बारे में।

51

आयदा फिफर की भारत यात्रा का वृत्तान्त

किसी देश के इतिहास को समझने में विदेशी यात्रियों के सफरनामों की अहम जगह है। अलग-अलग समय में कई विदेशी यात्रियों ने भारत की यात्राएँ कीं और अपने यात्रा वृत्तान्त लिखे। लेकिन कई दफा यात्रा के उद्देश्यों की वजह से इन विवरणों से लोकजीवन नदारद रहता है।

आम तौर पर भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों में पुरुष यात्री ज़्यादा रहे हैं। औपनिवेशिक काल में काफी महिला यात्री भी भारत आईं। इनमें से एक थीं - आयदा लौरा फिफर। उनका यात्रा विवरण इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह एक महिला के नज़रिए से देखा गया लोकजीवन है। इससे हमें हर दास्तान पर मिलती है एक महिला की नज़र और भावनाएँ जो अपने आप में बिरली और अनूठी हैं। आइए देखते हैं पौने दो सौ साल पहले का भारत कैसा था।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-40 (मूल अंक-97), मार्च-अप्रैल 2015

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

5 | **सन्तुलन या असन्तुलन**
विवेक मेहता

19 | **उल्लू की नज़र**
विनता विश्वनाथन

27 | **उबासी क्यों आती है?**
निशी खण्डेलवाल

36 | **नहीं दिए जाते रचनात्मकता के अवसर**
मनोहर चमोली

41 | **पत्तियाँ पानी बाहर फेंकती हैं**
अलका तिवारी

48 | **अलग-अलग तरीकों से सवाल...**
उदय मैत्रा

51 | **आयदा फिफर की भारत यात्रा का वृतान्त**
माधव केलकर

64 | **भाषा शिक्षण: समग्र भाषा पद्धति - भाग 1**
सौरभ रॉय

77 | **मिठाईवाला**
भगवतीप्रसाद वाजपेयी

87 | **उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों में बर्फ का जमावड़ा..?**
सवालीराम